Roll No.....

S-10176

M.A (First Semester)

EXAMINATION, 2022-23

Sanskrit

Paper Second

[नाटक एवं नाट्य साहित्य का इतिहास]

Time : 2.30 Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट– खण्ड 'अ' में से किन्हीं चार प्रश्नों के और खण्ड 'ब' में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर को दी गयी उत्तर पुस्तिका तक सीमित रखें। 'बी' उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। किन्हीं चार के उत्तर दें।

4 × 5 = 20

1. इदं कविभ्यः पूर्वेभ्यो नमोवाक प्रशान्महे।
   वन्देमहि च तां वाणीममृतामात्मनः कलाम्।।
   निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए।
2. नाट्य साहित्य के इतिहास में भवभूति की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।
3. "उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते" उक्ति को समझाइए।
4. य ब्राहमाणमियं देवी वाग्वरयेवानुवर्तते।
   उत्तरं रामचरितं तत्प्रणीतं प्रयोक्ष्यते।।
   निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए।
5. नाटक की परिभाषा देते हुए सभेद वर्णन कीजिए।
6. वसिष्ठाधिष्ठिता देव्यो गता रामस्य मातरः।
   अरुन्धती पुरस्कृत्य यज्ञे जामातुराश्रमम्।।
   निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए।
7. आधुनिक संस्कृत नाट्य साहित्य के किन्हीं दो संस्कृत नाटककारों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
8. नाटकों में "अर्धप्रकृतियाँ" क्या होती है समझाइए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note: प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। किन्हीं चार के उत्तर दें।

4 × 15 = 60

9. स्नेहात्सभाजयितुमेत्य दिनान्यमूनि
नीत्वोत्सवेन जनकोऽध विदेहान्।
देव्यास्ततो विमनसः परिसान्त्वनाय
धर्मासनाद्विशति वासगृहं नरेन्द्रः।।
निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

10. "उत्तररामचरितम्" नाटक के स्त्री पात्रों का परिचय दीजिए।

11. नाट्य साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

12. "उत्तररामचरितम्" नाटक के प्रथम अंक की कथावस्तु को लिखिए।

13. नाट्य साहित्य के इतिहास में महाकवि कालिदास के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

14. विश्वम्भरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वथं च।।
निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

15. आचार्य भवभूति के जीवन चरित्र एवं कृति पर प्रकाश डालिए।

16. उत्तररामचरितम् नाटक के पुरुष पात्रों के चरित्र चित्रण को प्रतिपादित कीजिए।